डिजिटल लॉकरः भारत सरकार की एक पहल

राकेश कुमार सिंह[1] एवं रंजन सिंह[2]
[1]वैज्ञानिक–डी (सूचना प्रौद्योगिकी), गोविंद बल्लभ पंत राष्ट्रीय हिमालयी पर्यावरण एवं सतत् विकास संस्थान, कोसी–कटारमल, अल्मोड़ा, उत्तराखंड, भारत
[2]एम.सी.ए. छात्रा, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, नई दिल्ली, भारत
rksingh@gbpihed.nic.in; ranjan418@yahoo.com

प्राप्त तिथि– 31.07.2016; स्वीकृत तिथि– 28.09.2016

सार– सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी तकनीक का प्रयोग पूरे विश्व में निरन्तर बढ़ता जा रहा है। विकास की इस कड़ी में भारत भी अछूता नहीं रहा है और आज लगभग सभी सरकारी एवं गैर–सरकारी कार्यों में सूचना प्रौद्योगिकी तकनीक का प्रयोग बढ़ा है। भारत में डिजिटल इण्डिया प्रोग्राम के अंतर्गत सरकार द्वारा ऐसी बहुत सी योजनाऐं चलायी गयी हैं जो नागरिकों के लिए बहुत ही लाभदायक सिद्ध हुई हैं। इन योजनाओं के द्वारा सरकारी कार्यो में पारदर्शिता बढ़ी है एवं कार्यों में गति आयी है। नागरिक डिजिटल तकनीक द्वारा विभिन्न सरकारी योजनाओं का लाभ घर बैठे ऑनलाईन माध्यम से उठा सकते हैं। डिजिटल लॉकर, डिजिटल इंडिया प्रोग्राम के तहत शुरु की गई एक योजना है। डिजिटल लॉकर सुविधा के द्वारा भारतीय नागरिक अपने सभी अहम दस्तावेज इंटरनेट पर डिजिटल रूप में ऑनलाईन स्टोर कर सकते हैं। डिजिटल लॉकर सुविधा का लाभ उठाने के लिए नागरिकों के पास आधार कार्ड होना आवश्यक है।

बीज शब्द– डिजिटल लॉकर, आधार कार्ड, सूचना प्रौद्योगिकी, डिजिटल इंडिया, ई–हस्ताक्षर, आदि ।

Digital Locker: an initiative of Government of India

[1]Rakesh Kumar Singh and [2]Ranjan Singh
[1]Scientist-D, Information Technology, Govind Ballabh Pant Himalaya Paryavaran & Development Institute, Kosi-Katarmal, Almora-263601, Uttarakhand, India
[2]M.C.A. Student, I.G.N.O.U., New Delhi, India
rksingh@gbpihed.nic.in, ranjan418@yahoo.com

Abstract- Use of information and communication technology (ICT) is increasing constantly in the world. India is no exception to this link development and today, almost all government and non-government operations increased use of information technology techniques. There are many such schemes undertaken by the government of India under digital india programme which are very beneficial for the citizens. Transparency in government activities are being increased due to these schemes and routine work speeding up. Citizines can take benefits of various government schemes with the use of this digital technology by sitting at home through online mode. Digital locker is the scheme which was started under digital India programme. Indian citizens can store their important documents on the internet in digital form by using this digital locker facility. Citizens need to have aadhar card to avail the facility of digital locker.

Key Words- *Digital Locker, Aadhaar Card, Information Technology, Digital India, e-Signature, etc.*

1. **डिजिटल लॉकर क्या है?** डिजिटल लॉकर या डिजिलॉकर, भारत के प्रधानमंत्री के महत्वाकांक्षी डिजिटल इंडिया प्रोग्राम का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। इस योजना को डिजिटल इंडिया प्रोग्राम के तहत 1 जुलाई, 2015 से शुरू किया गया। अंग्रेजी भाषा के शब्द डिजिटल लॉकर का हिंदी में शाब्दिक अर्थ है अंकीय तिजोरी या इलेक्ट्रॉनिक तिजोरी जो दस्तावेजों की छायाप्रति सुरक्षित रखने के काम आती है। इस वेबसाईट सेवा के माध्यम से भारतीय नागरिक जन्म प्रमाण पत्र, वोटर आईडी, पासपोर्ट, पैन कार्ड, शैक्षणिक प्रमाण पत्र जैसे अहम दस्तावेजों को ऑनलाइन स्टोर कर सकते हैं। सभी दस्तावेजों को डिजिटल तरीके से सुरक्षित करने के बाद ई–हस्ताक्षर सुविधा का प्रयोग करते हुए डिजिटल हस्ताक्षर भी करने होते हैं ताकि आपके दस्तातवेज पूरी तरह सुरक्षित रहें। यह एक तरह से ड्रॉपबॉक्स की तरह क्लाउड स्पेस है जो उन उपयोगकर्ताओं को निशुल्क दिया जाता है जो आधार कार्ड पंजीकृत हैं। उपयोगकर्ताओं को 1 जीबी का स्पेस भी

दिया जाता है अर्थात वो अपने सही तरह के पहचान के दस्तावेज इंटरनेट पर अपलोड करके सुरक्षित रख सकते हैं और बाद में जरुरत होने पर कहीं से भी उन दस्तावेजों को देख एवं उपयोग कर सकते हैं।

यह सुविधा पाने के लिए बस उपयोगकर्ता के पास भारत सरकार द्वारा प्रदत्त आधार कार्ड होना चाहिए। आधार का नंबर फीड कर आप डिजिटल लॉकर अकाउंट खोल सकते हैं। इस सर्विस की सबसे खास बात यह है कि आप कहीं भी अपने दस्तावेज में डिजिटल लिंक पेस्ट(यूआरएल) कर दीजिये, अब आपको बार–बार कागजों का प्रयोग नहीं करना होगा। इसके अलावा बाद में कई तरह की सरकारी सुविधाओं को डिजिटल लॉकर से जोड़ दिए जाने की सरकार की योजना है जिसमें व्यक्ति के दस्तावेजो के सत्यापन की जरुरत होती है अर्थात आपको अगर किसी सरकारी विभाग में कुछ काम है तो आप आराम से केवल आधार कार्ड के नंबर के माध्यम से अपनी सारी सुविधाओं को ले सकते हैं और सरकारी विभाग से वो दस्तावेज मैप कर दिए जायेंगे तो आपको अपने दस्तावेजों को साथ लाने ले जाने से मुक्ति मिलेगी और ऑनलाइन सत्यापन होना संभव होगा। आधार अंक की अनिवार्यता होने की वजह से यह तय किया गया है कि इस सरकारी सुविधा का लाभ सिर्फ भारतीय नागरिक ही ले सकें और जिसका भी खाता हो, उसके बारे में सभी जानकारी सरकार के पास हो। कोई भी ठग, झूठा और अप्रमाणित व्यक्ति इसका उपयोग ना कर सके इसके लिये आधार कार्ड होने की अनिवार्यता अति आवश्यक है क्योंकि आधार कार्ड भी भारत सरकार द्वारा पूरी जाँच पड़ताल के बाद ही जारी किया जाता है। इस तरह से इस प्रणाली के दुरुपयोग की संभावना बेहद कम हो जाती है।

2. **डिजिटल लॉकर एकाउंट खोलना और लॉग इन करना–** डिजिटल लॉकर खोलना बहुत आसान है, बस आपको https://digilocker.gov.in पर लॉगइन करना होगा। उसके बाद अपने आधार कार्ड का नंबर डालकर आपको रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया पूरी करनी होगी, उसके बाद आपके मोबाइल नंबर पर एक ओटीपी(वन टाइम पासवर्ड) आपको प्राप्त होगा जो इंटर कर देने के बाद आपकी रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया पूरी हो जाएगी। रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया के दौरान मांगी गई सूचनाओं को ऑन लाईन फार्म में भरना आवश्यक है। एक बार रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया पूरी हो जाने के बाद आपसे एक आईडी और पासवर्ड बनाने को कहा जाता है और उसके बाद आप कभी भी अपनी आईडी और पासवर्ड का इस्तेमाल करते हुए आसानी से लॉग इन कर सकते हैं और इस सुविधा का लाभ ले सकते हैं। लॉग इन करने के बाद आपके सामने एक डैशबोर्ड होगा जहाँ आप अपने निजी दस्तावेजों की स्कैन कॉपी(सॉफ्ट कॉपी) अपलोड कर सकते हैं, जो हमेशा के लिए उसमें लोड हो जायेगी। आपका लॉगइन आईडी और पासवर्ड आपका अपना होगा जिससे आप कभी भी और कहीं भी लॉगइन कर सकते हैं। इस लॉकर के जरिये धोखाधड़ी नहीं हो सकती है और ना ही नकली दस्तावेजों का चक्कर होता है, यह पूरी तरह से नीट एंड क्लीन प्रोसेस है। अगर आप किसी सार्वजनिक कंप्यूटर पर अपना डाटा प्राप्त करना चाहते हैं तो भी आप अपने आधार कार्ड और ओटीपी के माध्यम से लॉग इन कर सकते हैं और सुरक्षा की दृष्टि से यह बहुत सुविधाजनक भी है। इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार ने विगत दिनों में डिजिटल लॉकर का नया वर्जन 1.5 लॉन्च किया है।

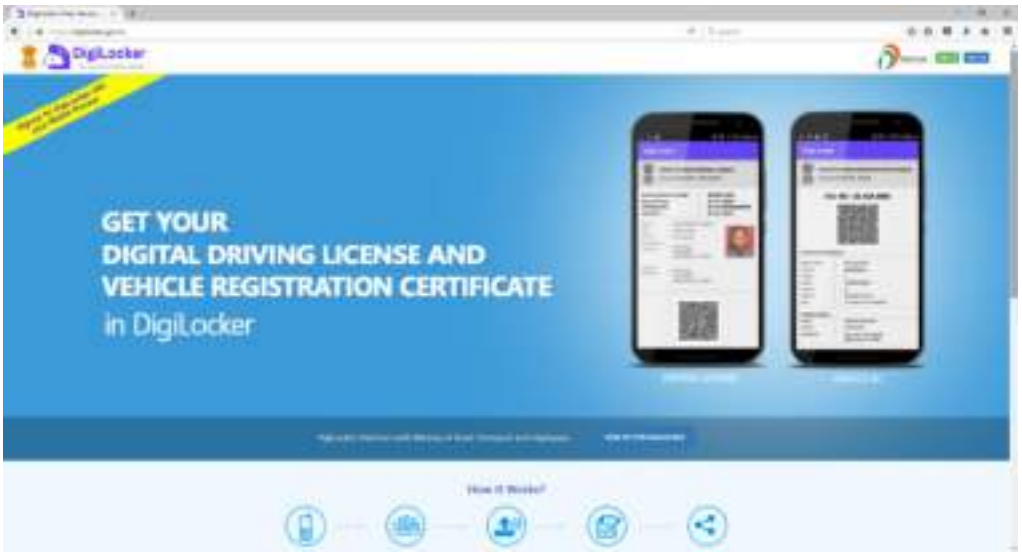

चित्र–1– डिजिटल लॉकर का वेब पोंटल (https://digilocker.gov.in)

3. **डिजिटल लॉकर का चरणबद्ध उपयोग–** डिजिटल लॉकर को खोलने के लिए आपको कुछ बातों का ध्यान रखना होगा। यहाँ पर डिजिटल लॉकर खोलने ओर उसका उपयोग करने के महत्वपूर्ण बिन्दुओं को एक–एक करके दर्शाया गया है। नीचे दिए गए निर्देशों का पालन करें ओर डिजिटल लॉकर का ठीक से इस्तेमाल करें–

- सबसे पहले https://digilocker.gov.in वेबसाइट पर जाकर अपनी आईडी बनानी होगी। आईडी बनाने के लिए आपको वेबसाइट पर दिए गए साईन–अप बटन पर क्लिक करें।
- यहाँ पर आप अपना वैध आधार कार्ड नंबर डाल कर नीचे दिए गए किसी एक विकल्प को चुनेः
  - ❖ **पहला विकल्पः** ओटीपी(वन टाइम पासवर्ड) चुनने पर यूजर के आधार कार्ड पर रजिस्टर किये गए मोबाइल नंबर पर एक नंबर आएगा। इस नंबर से आप अपना डिजिटल लॉकर इस्तेमाल कर पायेंगे।
  - ❖ **दूसरा विकल्पः** फिंगर प्रिन्ट, इसका चुनाव करने से आपको अपना डिजिटल लॉकर इस्तेमाल करने के लिए अपने फिंगर प्रिंट का इस्तेमाल करना होगा।
- लॉगिन होने के बाद आपसे जो इन्फॉर्मेशन मांगी जाए उसे भरें। इसके बाद आपका एकाउंट बन जाएगा। एकाउंट खुलने के बाद आप कभी भी इस पर अपने पर्सनल डॉक्युमेंट्स अपलोड कर सकेंगे।

4. **डिजिटल लॉकर में दस्तावेजों को कैसे अपलोड करें–** आप जिन दस्तावेजों को डिजिटल लॉकर में अपलोड करना चाहते हैं उनकी मूल प्रति को स्कैनर द्वारा स्कैन करें। एक समय में एक ही दस्तावेज, अपलोड किया जा सकता है। इसकी प्रक्रिया निम्न है–

- अपलोड किए जाने वाले दस्ताावेज के प्रकार का चयन करें।
- लोकेशन का चयन करें और फाइल को सेलेक्ट करें।
- दस्तावेज के बारे में संक्षिप्त विवरण लिख दें।
- आवश्यक जानकारी देने के बाद, अपलोड बटन पर क्लिक कर दें।

5. **दस्तावेजों को डिजिटल लॉकर में रखने के फायदे**

- आपको अपने सभी दस्तावेजों को हर बार, हर जगह उठाकर ले जाने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी। आवश्यकता पड़ने पर आप डिजिटल लॉकर का इस्तेमाल कर सकते हैं।
- डिजिटल लॉकर का डैशबोर्ड बहुत ज्यादा सुविधा जनक है और साथ ही यूजर फ्रेंडली भी है इसलिए आप आराम से अगर आपको थोड़ी भी कम्प्यूटर की जानकारी है तो इसे इस्तेमाल कर सकते हैं।
- आपको जीवनकाल के लिए 1 जीबी का स्टोरेज स्पेस दिया जाता है इसलिए आपको इसके लिए भुगतान करने की भी कोई आवश्यकता नहीं है और यह सर्विसेज आपके लिए पूरी तरह निशुल्क है।
- ई–दस्तावेजों की प्रमाणिकता को सुनिश्चित किया जा सकता है और फर्जी दस्तावेजों का बनना बंद होगा।
- कहीं भी कभी भी, दस्तावेजों का इस्तेमाल किया जा सकता है।
- डिजिटल लॉकर के लिए आपके पास आधार कार्ड होना आवश्यक है। साथ ही आपका मोबाइल नम्बर, उस आधार कार्ड में लिंक होना चाहिए।
- इस सुविधा की खास बात ये है कि एक बार लॉकर में अपने दस्तावेज अपलोड करने के बाद आप कहीं भी अपने प्रमाणपत्र की मूलप्रति के स्थान पर अपने डिजिलॉकर की वेब कड़ी(यूआरएल) दे सकेंगे।

6. **डिजिटल लॉकर में सुरक्षा–** इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रबन्धित यह लॉकर एसएसएल के द्वारा एचटीटीपीएस सुरक्षा प्रणाली द्वारा सुरक्षित है जो कि फिलहाल वेबसाइट सुरक्षा के लिए सबसे सुरक्षित प्रणाली है। वेबसाइट के यूआरएल (https://digilocker.gov.in) में https:// और उसके आगे एक हरा ताला इसकी सुरक्षा का द्योतक है। यहाँ s का अर्थ अंग्रेजी का शब्द secure है जिसका हिंदी में अर्थ सुरक्षित होता है। अगर आप https:// और हरा ताला नहीं देख पा रहे हैं तो इसका मतलब है आप किसी फर्जी वेबसाइट पर हैं जो आपकी जानकारियाँ चुरा सकती है।

अवलोकित सन्दर्भ

i. https://digilocker.gov.in
ii. http://hindi.webdunia.com/it-news/digital-locker-scheme-115021800063_1.html
iii. http://hindi.oneindia.com/news/india/what-is-digital-locker-358264.html
iv. https://hi.wikipedia.org/wiki/डिजिटल लॉकर
v. http://www.guide2india.org/know-digital-locker-in-hindi
vi. http://www.mybigguide.com/2015/04/Use-Aadhar-Card-to-Open-Digital-Locker.html
vii. http://www.amarujala.com/news-archives/india-news-archives/digital-locker-hindi-news-rk
viii. http://naidunia.jagran.com/search/digital-locker
ix. http://hindi.goodreturns.in/classroom/2015/07/how-to-open-digital-locker-000298.html
x. https://www.mygov.in/group-issue/beta-release-digital-locker-system